सत्यमेव जयते

ज्ञानदीप

(त्रैमासिक सूचना पत्र)

भारतीय रेल सिविल इंजीनियरी संस्थान, पुणे - 411 001.

आई. एस. ओ. : 9001 प्रमाणित भारतीय रेल का
प्रथम प्रशिक्षण संस्थान

संस्थान- डी ओ टी (020) 6122271 , 6123436 6123680 , 6127545 रेलवे - 5850 5870

छात्रावास- डी ओ टी (020) 6130579 , 6126816 6121669, रेलवे 5896 5897 5898

फैक्स : 020- 6128677

ई-मेल : dr-office@iricen.gov.in

टेलीग्राम : रेलपथ

वेब साइट : www.iricen.gov.in

वर्ष- 6 अंक-22 अप्रैल-जून 2002

ज्ञान ज्योति से मार्गदर्शन To BEAM AS A BEACON OF KNOWLEDGE

इस अंक में

(1) राजभाषा कार्यान्वयन समिति की 75 वीं बैठक
(2) रेल सप्ताह समारोह
(3) जी. पी. एस. पर सेमिनार
(4) आई. पी. डब्ल्यू. ई. (आई.) के अंतर्गत गतिविधियां
(5) अध्यक्ष, रेलवे बोर्ड का दौरा
(6) भारतीय रेल-विज़न 2025 पर सेमिनार
(7) सूचना प्रौद्योगिकी में सुविधाओं का विस्तार
(8) परिवीक्षार्थियों का व्यावहारिक प्रशिक्षण
(9) पारस्परिक विचार विमर्श के सत्र
(10) आई. एस. ओ. प्रमाण पत्र का नवीनीकरण
(11) महाप्रबंधक, मध्य रेल का दौरा
(12) तिमाही में संपन्न/जारी पाठ्यक्रम
(13) निकट भविष्य में आयोजित किए जाने वाले प्रशिक्षण पाठ्यक्रम
(14) स्वागत
(15) आपके पत्र
(16) सृजन

1 राजभाषा कार्यान्वयन समिति की 75 वीं बैठक :

दि. 12 अप्रैल 2002 को राजभाषा कार्यान्वयन समिति की 75 वीं बैठक संपन्न हुई, जिसमें दि. 31-03-2002 को समाप्त तिमाही की हिंदी प्रगति की समीक्षा की गई। बैठक की अध्यक्षता संस्थान के निदेशक तथा समिति के पदेन अध्यक्ष श्री बुध प्रकाश ने की। उप मुख्य राजभाषा अधिकारी श्री रमेश पिंजानी ने रिपोर्ट प्रस्तुत की। यह इस समिति की हीरक जयंती बैठक थी।

2 रेल सप्ताह समारोह :

दि. 16 अप्रैल को संस्थान में रेल सप्ताह समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता संकाय अध्यक्ष श्री अजीत पंडित ने की। इस अवसर पर संस्थान के निदेशक श्री बुध प्रकाश ने उत्कृष्ट कार्य निष्पादन के लिए संस्थान के 54 कर्मचारियों को पुरस्कृत किया तथा अपने संबोधन में भारतीय रेल के विकास में संस्थान के महत्व को रेखांकित किया।

संपादकीय .....

'ज्ञानदीप' का 22 वां पुष्प आपके कर कमलों में सुशोभित है। इन दिनों हम भारतीय रेल की गौरवशाली यशोगाथा के 150 वें वर्ष में विचरण कर रहे हैं। रेल प्रणाली के प्रभावी तथा सुगम कार्यसंचालन में हमारे योगदान का महत्व सर्वविदित है, प्रशिक्षण सफलता का प्रथम सोपान है, साथ ही यह एक अनवरत प्रक्रिया भी है। ज्ञान दान के इस महती यज्ञ में सूचना प्रौद्योगिकी के नवीनतम साधनों का उपयोग करने पर हम अधिक बल दे रहे हैं। आइ. एस. ओ. -9001 प्रणाली की गुणवत्ता नीति के अनुसार हमने कार्य के एक ऐसे प्रेरक वातावरण की सृष्टि की है, जहां प्रत्येक कर्मचारी अपना सर्वोत्तम योगदान देने के लिए तत्पर रहता है।

'ज्ञानदीप' नियमित रूप से वरिष्ठ मंडल इंजीनियर (समन्वय) के स्तर तक पहुंच रहा है। भारतीय रेल पर ऐसे इंजीनियरों की कमी नहीं हैं, जो तकनीकी विषयों पर हिंदी में अभिव्यक्ति दे सके। आवश्यकता है बस, कलम उठाने की। सिविल इंजीनियरी के विविध विषयों पर एक-दो पृष्ठों में समाहित तकनीकी लेखों की प्रतीक्षा 'ज्ञानदीप' कर रहा है।

पुस्तक समीक्षा के लिए अपनी पुस्तक भेजते समय कृपया इस बात का ध्यान रखा जाए कि पुस्तक की दो प्रतियां समीक्षा हेतु भेजी जाए। इस अंक पर आपकी प्रतिक्रियाओं की प्रतीक्षा रहेगी।

संरक्षक
बुध प्रकाश
निदेशक
इरिसेन, पुणे

मुख्य संपादक
रमेश पिंजानी
उप मुख्य राजभाषा अधिकारी
एवं प्राध्यापक – रेल पथ -2

संपादक
विपिन पवार
राजभाषा सहायक
ग्रेड I

सहयोग
राजेश जायसवाल
सह प्राध्यापक
एम. बाबू, आर.जे.पाल



(चित्र में उपस्थित अधिकारियों तथा कर्मचारियों को संबोधित करते हुए श्री बुध प्रकाश, निदेशक)

3 जी. पी. एस. पर सेमिनार :

संस्थान ने हाल ही में 2 जी. पी. एस. (ग्लोबल पोजिशनिंग सिस्टम) -- मॉडल जी. पी. एस. 12 ग्रामिन की खरीद की है। आई. पी. डब्ल्यू. ई. (आई.) के तत्वावधान में संस्थान ने जी. पी. एस. पर एक सेमिनार आयोजित किया था। आधुनिक सर्वेक्षण के पाठ्यक्रम में संस्थान द्वारा जी. पी. एस. भी शामिल किया जाएगा, जिससे कि प्रशिक्षु प्राधिकारी जी. पी. एस. तथा उसके अनुप्रयोगों से परिचित हो सके।

4 आई. पी. डब्ल्यू. ई. (आई.) के अंतर्गत गतिविधियां :

इन्स्टीट्यूशन ऑफ परमनेंट वे इंजीनियर्स (इंडिया), पुणे चैप्टर के तत्त्वावधान में आई. पी. डब्ल्यू. ई. (आई.) व्याख्यान मालाओं के क्रम में इस तिमाही के दौरान निम्नलिखित प्रस्तुतिकरण दिए गए :

* 'ग्लोबल पोजीशनिंग सिस्टम'- श्री प्रवीण कुमार, प्राध्यापक, कम्प्यूटर्स द्वारा।
* 'भिलाई इस्पात संयंत्र में रेल का निर्माण'- डॉ. एस. के. सिन्हा, प्राध्यापक, प्रशिक्षण द्वारा।

5 अध्यक्ष, रेलवे बोर्ड का दौरा :

श्री आई. आई. एम. एस. राणा, अध्यक्ष, रेलवे बोर्ड एवं पदेन प्रधान सचिव, भारत सरकार, रेल मंत्रालय ने दि. 25 मई को संस्थान का दौरा किया। अध्यक्ष, रेलवे बोर्ड के रूप में पदभार ग्रहण करने के बाद यह आपका संस्थान का प्रथम दौरा था। आपने संस्थान का निरीक्षण किया तथा संकाय सदस्यों के साथ आयोजित बैठक में भाग लिया। इस अवसर पर आपने संस्थान में चरण- 1 पाठ्यक्रम में प्रशिक्षण रत भारतीय रेल इंजीनियरी सेवा के परिवीक्षार्थियों को भी संबोधित किया।



(चित्र में अध्यक्ष, रेलवे बोर्ड संस्थान के निरीक्षण के दौरान अतिथि पुस्तिका में अपनी टिप्पणी देते हुए।)

श्री राणा ने संस्थान की कार्यप्रणाली की प्रशंसा की तथा निर्देश दिए कि संस्थान को अधिक गतिशील होना चाहिए तथा प्रौद्योगिकी एवं प्रबंधन दोनों से संबंधित समस्याओं, विशेष तौर पर सिविल इंजीनियरी विभाग की समस्याओं के लिए संस्थान को अनुसंधान, अभिकल्प एवं मानक संगठन तथा रेलवे बोर्ड के विभिन्न निदेशालयों से अधिक पारस्परिक सहयोग बनाए रखना चाहिए। इन निर्देशों के अनुपालन के लिए आवश्यक कदम उठाए जा रहे हैं।

6 भारतीय रेल-विज़न 2025 पर सेमिनार :

दि. 3 से 5 जून तक रेलवे स्टॉफ कॉलेज, वडोदरा में संपन्न 'भारतीय रेल-विज़न 2025' सेमिनार में संस्थान द्वारा निम्नलिखित पेपर्स प्रस्तुत किए गए :

* 'विज़न 2025- रेल पथ के मानक तथा अनुरक्षण की प्रणाली'

श्री बुध प्रकाश, निदेशक, श्री आर. के. वर्मा, वरिष्ठ प्राध्यापक, रेल पथ तथा डॉ. एस. के. सिन्हा, प्राध्यापक, प्रशिक्षण द्वारा।

* 'विज़न 2025 - एक पुल इंजीनियर का दृष्टिकोण'-श्री अजीत पंडित, संकाय अध्यक्ष द्वारा।
* 'रेलवे और पर्यावरण- वर्ष 2025 के लिए विज़न'- डॉ. एस. के. सिन्हा, प्राध्यापक, प्रशिक्षण द्वारा।

7 सूचना प्रौद्योगिकी में सुविधाओं का विस्तार :

नेटवर्किंग में उन्नत सुविधाओं का मार्ग प्रशस्त करने के लिए संस्थान के संपूर्ण नेटवर्क को शेयर्ड 10 एम. बी. पी. एस. से स्विचड् 100 एम. बी. पी. एस. में बढ़ाया गया। इसके अतिरिक्त इंटरनेट कनेक्शनों पर सुरक्षा बढ़ाने के लिए सर्वर पर एक फायरवॉल भी प्रतिस्थापित की गई है। इसके साथ ही संकाय सदस्यों की निपुणता में उन्नति करने के दृष्टिकोण से संस्थान में ऑटोकैड तथा विजुअल बेसिक पर एक विशेष पाठ्यक्रम चलाया जा रहा है। इससे सूचना प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में संकाय सदस्यों की क्षमता में उन्नति होगी तथा इस महत्त्वपूर्ण क्षेत्र के नवीनतम विकास से उनका परिचय होगा।

8 परिवीक्षार्थियों का व्यावहारिक प्रशिक्षण :

प्रशिक्षण के व्यावहारिक पहलुओं का ज्ञान प्रदान के लिए संस्थान में चरण - 1 पाठ्यक्रम में प्रशिक्षण रत भारतीय रेल इंजीनियरी सेवा के परिवीक्षार्थियों को दक्षिण पूर्व रेलवे के झारसुगुड़ा में पुल सं. 7 (बोनम पुल) पर अध्ययन दौरे के अंतर्गत ले जाया गया, जहाँ पुल पुनर्सुधार का कार्य प्रगति पर है। उन्होंने सी. एच. स्पैनों को पोजीशन में रखने का कार्य भी देखा।



(चित्र में झारसुगुड़ा में बोनम पुल पर पुनर्सुधार कार्य का अवलोकन करते परिवीक्षार्थी)

9 पारस्परिक विचार विमर्श के सत्र :

वरिष्ठ व्यावसायिक पाठ्यक्रम (रेल पथ) एवं वरिष्ठ प्रशासनिक श्रेणी के अधिकारियों के पुनश्चर्या पाठ्यक्रम में प्रशिक्षणरत प्रशिक्षु अधिकारियों तथा संस्थान के संकाय सदस्यों के बीच पारस्परिक विचार विमर्श के सत्र संपन्न हुए, ताकि नए विचार एवं तकनीकें सामने आ सके। दि. 25 जून को अध्यक्ष, रेलवे बोर्ड द्वारा संस्थान के दौरे के समय दिए गए अनुदेशों के अनुपालन में इसे प्रारंभ किया गया है।

10 आइ. एस. ओ. प्रमाणपत्र का नवीनीकरण :

आइ. एस. ओ. : 9001 से प्रमाणित भारतीय रेल के इस प्रथम प्रशिक्षण संस्थान में दि. 21 तथा 22 जून को आइ. एस. ओ. : 9001 गुणवत्ता प्रणाली की अपेक्षाओं के अनुपालन में प्रमाणन निकाय द्वारा द्वितीय वार्षिक निगरानी लेखा परीक्षा का आयोजन किया गया। संस्थान ने आई. एस. ओ. : 9001 प्रणाली की अपेक्षाओं का सफलतापूर्वक अनुपालन किया, जिसके कारण आगामी एक वर्ष के लिए प्रमाणपत्र का नवीनीकरण किया गया।

11 महाप्रबंधक, मध्य रेल का दौरा।

श्री एस. पी. एस. जैन, महाप्रबंधक, मध्य रेल ने दि. 25 जून को संस्थान का दौरा किया। महाप्रबंधक, मध्य रेल का पदभार ग्रहण करने के बाद यह आपका संस्थान का प्रथम दौरा था। इस अवसर पर आयोजित समारोह में आपने विशेष पाठ्यक्रम में प्रशिक्षण पा रहे वरिष्ठ प्रशासनिक श्रेणी के अधिकारियों तथा वरिष्ठ व्यावसायिक पाठ्यक्रम (पुल तथा सामान्य) के प्रशिक्षु अधिकारियों एवं मध्य रेल के अधिकारियों को 'दक्षिण पूर्व रेलवे के पुल सं. 7 (बोनम पुल)' के पुनर्सुधार के लिए किए जा रहे कार्य तथा क्रिब पद्धति द्वारा आधार तल उपचार विषयों पर व्याख्यान दिया।



(चित्र में व्याख्यान देते हुए श्री. एस. पी. एस. जैन, महाप्रबंधक, मध्य रेल)

12 तिमाही में संपन्न/जारी पाठ्यक्रम :

सत्र क्र.	दिनांक से	दिनांक तक	विषय	पाठ्यक्रम निदेशक	कुल अधिकारी
248	01-04-02	05-04-02	भा.रे.इं. से. (परि.) 2000 परीक्षा, समूह-3 का परिचयात्मक पाठ्यक्रम	प्राध्यापक/ प्रशिक्षण	13
211	08-04-02	21-06-02	समूह 'ख' अधिकारियों का समेकित पाठ्यक्रम	प्राध्यापक / रेलपथ - 2	23
225	10-04-02	11-04-02	मुख्य पुल इंजीनियरों का सेमिनार	संकाय अध्यक्ष	11
216	22-04-02	07-06-02	वरिष्ठ व्यावसायिक पाठ्यक्रम (रेल पथ)	वरिष्ठ प्राध्यापक/रेलपथ	09
202	29-04-02	21-06-02	भा. रे. इं. से. (परि.) 2000 परीक्षा, चरण-1, समूह-1 का प्रशिक्षण पाठ्यक्रम	प्राध्यापक/ प्रशिक्षण	29
229	20-05-02	31-05-02	पूर्व प्रतिबलित निर्माण पर विशेष पाठ्यक्रम	वरिष्ठ प्राध्यापक/ पुल	13
217	10-06-02	05-07-02	वरिष्ठ व्यावसायिक पाठ्यक्रम (पुल एवं सामान्य)	वरिष्ठ प्राध्यापक/कार्य	18
250	13-06-02	14-06-02	जांच अधिकारी के रूप में नामिका पर रखे गए सेवानिवृत्त रेल अधिकारियों की कार्यशाला	वरिष्ठ प्राध्यापक/पुल	07
204	17-06-02	21-06-02	भा. रे. इं. से. (परि.) की तैनाती हेतु मौखिक परीक्षा	प्राध्यापक/ प्रशिक्षण	13
237	24-06-02	28-06-02	वरिष्ठ प्रशासनिक श्रेणी के अधिकारियों का पुनश्चर्या पाठ्यक्रम	वरिष्ठ प्राध्यापक/ कार्य	14

13 निकट भविष्य में आयोजित किए जाने वाले प्रशिक्षण पाठ्यक्रम :

सत्र क्र.	दिनांक से	दिनांक तक	विषय	अधिकारियों की कोटि
231	05-08-02	16-08-02	रेलपथ मशीनों के अनुरक्षण पर विशेष पाठ्यक्रम	अ. प्र. श्रे., चयन श्रेणी, अ. वे. मा.
232	06-08-02	08-08-02	अन्य विभागों के परिवीक्षार्थियों का परिचयात्मक पाठ्यक्रम	भा. रे. सिग. इंजी. से. (परि.)
230	19-08-02	20-08-02	प्रशिक्षण प्रबंधकों की बैठक तथा मुख्य सामान्य इंजीनियरों का सेमिनार	मु. सा. इंजी.
234	26-08-02	30-08-02	कांटे एवं पारकों पर विशेष पाठ्यक्रम	चयन श्रेणी, अ.प्र. श्रे.,प्र. वे. मा.
207	02-09-02	13-09-02	भा. रे.इं. से. (परि.) 2001 परीक्षा का परिचयात्मक पाठ्यक्रम	भा. रे. इं. से. (परि.)
208	09-09-02	25-10-02	भा. रे.इं. से. (परि.) 2000 परीक्षा, (समूह-2) चरण 2 पाठ्यक्रम	भा. रे. इं. से. (परि.)
227	16-09-02	27-09-02	सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों के लिए विशेष पाठ्यक्रम	सार्व. क्षेत्र के उपक्रम
236	23-09-02	27-09-02	ठेके एवं विवाचन पर विशेष पाठ्यक्रम	चयन श्रेणी, अ. प्र. श्रे., प्र. वे. मा.
239	30-09-02	04-10-02	सर्वेक्षण पर विशेष पाठ्यक्रम	सर्वे. से संबंधित अधिकारी
213	30-09-02	31-12-02	समेकित पाठ्यक्रम	समूह 'ख' अधिकारी
220	09-10-02	10-10-02	मुख्य रेल पथ इंजीनियरों का सेमिनार	मु. रे. प. इंजी.
238	16-10-02	18-10-02	अन्य विभागों के परिवीक्षार्थियों का परिचयात्मक पाठ्यक्रम	भा. रे. यांत्रिक इं. से. (परि.)
240	22-10--02	24-10-02	अन्य विभागों के परिवीक्षार्थियों का परिचयात्मक पाठ्यक्रम	भा. रे. भंडार से. (परि.)

14 स्वागत :



श्री सुधांशु शर्मा

भारतीय रेल इंजीनियरी सेवा के 1984 बैच के अधिकारी श्री सुधांशु शर्मा ने 1988 में दक्षिण पूर्व रेलवे के खड़गपुर में सहायक इंजीनियर के रूप में पदभार ग्रहण किया। आपने दक्षिण पूर्व रेलवे पर मंडल इंजीनियर, खड़गपुर, वाल्तेरु, वरिष्ठ मंडल इंजीनियर, वाल्तेरु, चक्रधरपुर, उपमुख्य इंजीनियर (रेल पथ मशीन), गार्डन रीच, कोलकाता, उप मुख्य इंजीनियर (निर्माण), तमलुक, उप मुख्य इंजीनियर (पुल एवं बाढ़), गार्डन रीच तथा वरिष्ठ मंडल इंजीनियर (समन्वय) आदरा मंडल के रूप में कार्य किया है।

आपने दि. 17-04-2002 को संस्थान में प्राध्यापक (पुल) का पदभार ग्रहण कर लिया है। संस्थान आपका हार्दिक स्वागत करता है।

15 आपके पत्र :

'ज्ञानदीप' का जनवरी-मार्च अंक मिला। चूंकि मैं पुणे कई महीनों से नही आया, इसलिए इसको पाकर ऐसा लगा कि मैं कुछ देर के लिए इरिसेन ही पहुंच गया हूं। इरिसेन की विविध गतिविधियों का ज्ञान हुआ। साथी तायल, खन्ना और सुभाष का जाना और प्रवीण का आना इसी पत्रिका से पता लगा।

पत्रिका का गेट अप और इसका प्रस्तुतिकरण बहुत ही आकर्षक और रोचक है। तस्वीरों की क्वालिटी भी बहुत अच्छी है। आपका विशिष्ट व्यक्तियों जैसे विट्ठल साहब को बुलाना बहुत उचित है। प्रोबेशनर्स का इनके साथ शुरू में ही इंटरएक्शन होना एक अच्छे सोच वाले भविष्य की बुनियाद रखेगा।

-एम. एल. जंड,
सेवानिवृत्त प्राध्यापक, रेलवे स्टॉफ कॉलेज,
वडोदरा

संस्थान का त्रैमासिक सूचना पत्र 'ज्ञानदीप' (अक्तूबर-दिसम्बर, 2001) के अंक की कविता 'इंजीनियर ही जानते हैं कल-पुर्जों की भाषा' पढ़कर मुझे काफी प्रसन्नता हुई। इसके लिए आपको मेरी तरफ से बधाई। कृपया त्रैमासिक सूचना पत्र 'ज्ञानदीप' का वह अंक, जिसमें श्री राजेंद्र मालवीय की कविता 'हम रेल चलाते हैं' छपी है, अधोहस्ताक्षरी को भिजवाने का कष्ट करें।

- रमेश कुमार
वरिष्ठ मंडल इंजीनियर, (समन्वय),
पूर्व रेलवे, मुगलसराय

त्रैमासिक सूचना पत्र 'ज्ञानदीप' का अक्तूबर-दिसम्बर, 2002 अंक प्राप्त हुआ। धन्यवाद। पत्रिका का कलेवर आकर्षक एवं उसमें दी गई सामग्री उत्कृष्ट है। पत्रिका की सफलता हेतु शुभकामनाओं सहित-

- मंडल रेल प्रबंधक (राजभाषा)
पूर्वोत्तर रेलवे, इज्जतनगर

16 सृजन (कविता)

सैनिक

सीमा पर है तैनात
लेकर मौत का साजो-सामान,
मृत्यु के साथ हो रही है सगाई
पता नहीं कब हो जाए जुदाई।

कर्तव्य के आगे दी है
हर एक रिश्ते की बलि,
मौत के आगे झुक गई
हर एक खिली कलि।

धन्य है उस माँ की कोख
जिससे जन्मे ऐसे सुपुत्र नौजवान,
जिनसे बना है देश आज महान
जिनकी एक मुस्कान पर फ़िदा है जहान।

ऐसे ऐसे हुए हैं अमर नौजवान
जिनका न जानता होगा कोई नाम,
मातृभूमि की रक्षा की कसम है खाई
जिनके आगे आँधी भी न टिक पाई।

-- कु. रीना विश्वकर्मा,
पुत्री-- श्री हरि फुरसत विश्वकर्मा, कारपेन्टर
भा. रे. सि. इं. सं., पुणे

'सृजन' स्तंभ में प्रकाशित रचनाओं पर रेलवे बोर्ड के दि. 18-02-2000 के पत्र संख्या-- हिंदी-- 99/रे. रा. भा/3 के अनुसार निम्नलिखित दर से मानदेय दिया जाएगा :

(क)	लेख/कहानी	-	350/- रु.
(ख)	कविता/पुस्तक समीक्षा	-	125/- रु.
(ग)	कार्टून/चित्र	-	75/- रु.

रचनाओं के साथ यह प्रमाण पत्र आवश्यक है कि ये आपकी सर्वथा मौलिक, अप्रकाशित एवं अप्रसारित रचना है। कृपया अपना पूरा पता लिखें एवं छोटी-छोटी रचनाएँ ही भेजें।

रमेश पिंजानी, उप मुख्य राजभाषा अधिकारी एवं प्राध्यापक, रेल पथ -2, भारतीय रेल सिविल इंजीनियरी संस्थान, पुणे-1 द्वारा केवल सीमित निशुल्क वितरण हेतु प्रकाशित एवं मेसर्स एच. एम. टाइपसेटर्स, सदाशिव पेठ, पुणे 411030 फोन 4472844 द्वारा मुद्रित